अमरत्व
शिक्षक सहायक पुस्तिका–2

पाठ 1. सवेरा

- **पाठ उद्देश्य**–प्रात: जल्दी उठने की प्रेरणा देना। प्रकृति का आनंद लेना।
- **पाठ सार**–माँ कहती है कि हे पुत्र उठ जाओ। मैं पानी लाई हूँ। मुहँ धो लो। रात बीत गई है कमल खिल गए हैं। चिड़ियाँ पेड़ों पर चहकने लगी हैं, सुंदर हवा बह रही है। सूरज उग आया है। फूल खिल गए हैं। ऐसे सुंदर समय को मत खोओ।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) सूर्य के निकलने पर (ख) कमल के फूल।
   (ग) किरणें
2. (क) कमल के फूलों पर।
   (ख) जल में सूर्य की सुनहरी छाया पड़ रही है।
   (ग) सुंदर समय को नहीं खोना चाहिए।
   (घ) चिड़ियाँ
3. अब, ''पानी लाई हूँ'', कमल दल फूले, भँवरे झूले।
   चिड़ियाँ चहक, हवा अति सुंदर।
4. (क) कमल (ख) नभ
   (ग) सूरज (घ) हवा
   (ङ) धरती (च) आँखें
5. (क) नदी (ख) खिड़की

(ग) किताब (घ) पीपल

(ङ) शिव

6. (क) धरती सुंदर हो गई है।

(ख) नभ में लाली छा गई है।

(ग) चिड़िया चहक रही है।

(घ) फूल खिल रहे हैं।

7. लाल → पुत्र, धरती → भूमि,

हवा → वायु, पानी → जल,

नभ → आकाश, कमल → पंकज

8. (क) मुँह धोना (ख) रूप

(ग) आकाश में (घ) कमल पर

(ङ) लोग (च) सुनहरी

(छ) फूलों का खिलना (ज) लाली

(झ) पेड़ों (ञ) आलस

पाठ 2. शिष्टाचार

- **पाठ उद्देश्य**–शिष्टाचार का महत्व समझाना।
- **पाठ सार**–शिष्टाचार व्यक्ति को मधुरता और विनम्रता से बातचीत करना, अनुशासन में रहना, सहायता, करना, आदर करना सिखाता है।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) अच्छा (ख) मनुष्य को

(ग) अच्छे व्यवहार द्‌वारा

2. (क) माता-पिता और गुरूजन

(ख) सबके साथ मधुरता और विनम्रता से बोलना, बड़ों का आदर करना।

(ग) कृपया

(घ) सबके साथ अच्छा व्यवहार करके और किसी की भावनाओं को ठेस न पहुँचाना।

3. (क) अधपका (ख) अधजला

(ग) अधरीवला।

4. (क) पृथ्वी ⟶ धरती

(ख) बुद्धिमान ⟶ समझदार

(ग) मधुरता ⟶ मीठे बोल

(घ) मित्र ⟶ दोस्त

(ङ) विनम्र ⟶ शालीन

(च) अशिष्ट ⟶ बुरे आचरण वाला

5. (क) अच्छे व्यवहार से शत्रु को मित्र बना सकते हैं।

(ख) पृथ्वी पर मनुष्य सबसे बुद्धिमान है।

(ग) काम आने वाले का धन्यवाद करो।

(घ) सदा अच्छा आचरण करना चाहिए।

पाठ 3. मैं पेड़ हूँ

- **पाठ उद्देश्य**—पेड़ों का महत्व समझाना।
- **पाठ सार**—एक छोटा-सा बीज पौधा बनता है। धीरे-धीरे विशाल वृक्ष का रूप ले लेता है। वह पक्षियों का आश्रय बनता है। वह

फल, शुद्ध वायु, ईंधन देता है। उसे काटना नहीं चाहिए। इसे बीज से लेकर वृक्ष बनने तक 'मैं' शैली में कहा गया है।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) वर्षा की बूँदें पड़ने से

   (ख) उसे कोई ज़मीन से अलग न कर दे।

   (ग) उस पर फूल-फल लग गए।

2. (क) पेड़ हमें शुद्ध वायु देते हैं।

   (ख) पेड़ हमें फल, फूल, दवा, ईंधन, लकड़ी, गोंद, रबर आदि देते हैं।

   (ग) पेड़ अपने स्वार्थ के कारण पेड़ों को काटता हैं।

   (घ) यदि पेड़ नहीं होंगे तो धरती बंजर हो जाएगी।

3. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓

   (घ) ✗ (ङ) ✓

4. (क) (ख) दिए गए हैं।

   (ग) भूमि, पृथ्वी (घ) पुष्प, कुसुम

   (ङ) वृक्ष, पादप (च) नभ, गगन

5. विद्यार्थी स्वयं करेंगें।

6. (1) पेड़ हमें प्राण वायु देते हैं।

   (2) पेड़ों से औषधियाँ बनती हैं।

पाठ 4. लालची कुत्ता

- **पाठ उद्देश्य**–विद्यार्थियों को लालच न करने के लिए समझाना।
- **पाठ सार**–कल्लू स्वार्थी कुत्ता था। एक दिन उसे एक रोटी मिल गई। वह खाने के लिए दूर निकल गया। रास्ते में नदी में उसे अपनी परछाई नज़र आई। उसने सोचा उस कुत्ते की रोटी भी छीन ले। वह भौंका तो रोटी नदी में गिर गई। उसे बहुत पछतावा हुआ।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) कल्लू
   (ख) खाना
   (ग) परछाई पर, जिसके मुँह में रोटी थी।
2. (क) लालची, क्योंकि वह उनसे खाना छीन लेता था
   (ख) वह जंगल की ओर जा रहा था।
   (ग) अपनी परछाई।
   (घ) कल्लू उस कुत्ते की रोटी छीनने के लिए भौंका। रोटी पानी में गिर गई।
3. (क) दिया गया है। (ख) बहुत खुश होना
   (ग) निराश होना (घ) खा जाना
   (ङ) पछताना।
4. (क) जंगल (ख) समय
   (ग) घूमते (घ) रोटी
   (ङ) धरती (घ) परछाईं
5. (क) सूरज (ख) चूहा
   (ग) गुलाब (घ) जूता
   (ङ) भालू (घ) कछुआ

6. (क) लालच नहीं करना चाहिए।

(ख) कुत्ते की भूख कम नहीं होती थी।

(ग) नीचे नदी थी

(घ) कुत्ते ने परछाईं देखी।

(ङ) कुत्ते की खुशी का ठिकाना न था।

(च) देखों गिरना मत

(छ) कुत्तों में दोस्ती थी।

7. (क) कल्लू (ख) खाने

(ग) रोटी (घ) परछाईं

(ङ) पानी।

8. (क) लालची (ख) रोटी

(ग) जंगल (घ) परछाईं

पाठ 5. तिरंगा

- **पाठ उद्देश्य**–तिरंगा से परिचित कराना।
- **पाठ सार**–हमारा तिरंगा विश्व को जीतने वाला है। यह सदा ऊँचा रहे। यह शक्ति, प्रेम देने वाला और वीरों को खुश करने वाला है। आओं अपने देश और धर्म पर बलिदान हो जाओं। इसकी शान नहीं जानी चाहिए। हम विश्व विजय करके आना प्रण पूरा करें।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) तिरंगा (ख) तीन रंग

(ग) श्यामलाल गुप्ता 'पार्षद'

2. (क) शक्ति, प्रेम और हरियाली का

(ख) शक्ति और प्रेम का

(ग) अपने प्राण।

(घ) जब विश्व को जीत लेंगे।

3. तिरंगा प्यारा, ''झंडा ऊँचा'' बरसाने वाला, सुधा सरसाने, हरषाने वाला, ''मातृभूमि''।

4. (क) प्रेमरूपी अमृत ✓

(ख) तीन रंगों के कारण ✓

(ग) केसरिया सफ़ेद हरा ✓

5. (क) तिरंगा (ख) सदा

(ग) प्यार (घ) आकाश

(ङ) निडर

6. (क) तिरंगा (ख) तीन

(ग) शक्ति (घ) तिरंगा

(ङ) विश्व विजय करके (च) श्यामलाल गुप्ता 'पार्षद'

7. (क) हमारा झंडा ऊँचा रहे।

(ख) भारतीय वीर हैं।

(ग) जीतने का प्रण करो।

(घ) तिरंगा हमारी शान है।

(ङ) तिरंगा हमें शक्ति देता है।

पाठ 6. गुदड़ी का लाल

- **पाठ उद्देश्य**–लालबहादुर शास्त्री के जीवन और कार्यों से परिचित कराना।

◆ **पाठ सार**–लालबहादुर शास्त्री के पास नाव वाले को नदी पार कराने के लिए पैसे नहीं थे। एक मित्र के कहने पर वे बेईमानी करने के लिए तैयार नहीं थे। उन्होंने तैरकर नदी पर कर ली। जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु के पश्चात् वे भारत के प्रधानमंत्री बने। उन्होंनें 'जय जवान जय किसान' नारा दिया। सन् 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में उन्होंने विजय दिलाई। उन्हें 1996 में मरणोपरांत भारत रत्न दिया गया।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) बालक ने नदी पार करके स्कूल जाना था।
   (ख) उसके पास नाव वाले को देने के लिए पैसे नहीं थे।
   (ग) नन्हें।
   (घ) उनका जन्म 2 अक्तूबर 1904 को वाराणसी में हुआ।
2. (क) उनकी मृत्यु ताशकंद में हुई।
   (ख) तैरकर
   (ग) सन् 1966 में भारत रत्न से।
3. (क) विद्यालय जाने के लिए
   (ख) तैरकर (ग) निर्धन परिवार में
   (घ) ताशकंद में (ङ) दूसरे।
4. (क) मैंने सबका धन्यवाद किया।
   (ख) संधि पर हस्ताक्षर किए
   (ग) विशाल नदी को पार करना था।
   (घ) सब काम ईमानदारी से करने चाहिए।
   (ङ) शास्त्री जी ने देश का नेतृत्व किया।

5\. (क) नाववाले (ख) बेईमानी

(ग) तैरकर (घ) गंगा मैया

(ङ) प्रधानमंत्री।

6\. (क) शास्त्री जी सच्चे अर्थों में भारत रत्न थे।

(ख) शास्त्री जी सदा उच्च विचार और सादा जीवन के आदर्शों पर चलते थे।

7\. (क) ✗ (ख) ✓

(ग) ✗ (घ) ✓

(ङ) ✓

8\. (क), (ख) दिए गए हैं।

(ग) सम्मान + दूत (घ) आज़ाद + ई

(ङ) बेईमान + ई (च) राजनीति + इक

पाठ 7. खरगोश और कछुआ

- **पाठ उद्देश्य**—निरंतर प्रयास करने से सफलता मिलती है, इसे समझाना।
- **पाठ सार**—एक बार खरगोश और कछुए में दौड़-प्रतियोगिता हुई। कछुआ धीरे-धीरे चल रहा था। खरगोश दूर निकल गया। उसने सोचा थोड़ी देर आराम कर ले। उसे नींद आ गई। कछुआ लक्ष्य पर पहुँचकर विजयी हो गया।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1\. (क) तेज़ दौड़ने का

(ख) नदी किनारे

(ग) वह निरंतर चलता रहा।

(घ) वह सो गया था।

(ङ) अपने लक्ष्य को पाने के लिए परिश्रम करना चाहिए।

2. (क) उसमें आत्मविश्वास था।

(ख) पहाड़ी से बरगद तक

(ग) वह लगातार चलता रहा।

3. (क) खरगोश ने कछुए से कहा।

(ख) कछुए ने, खरगोश से।

4. (क) जंगल में ✓ (ख) तेज़ दौड़ने का ✓

(ग) कछुआ ✓

5. (क) खरगोश (ख) कछुआ

(ग) जानवर (घ) प्रतियोगिता

(ङ) बरगद (च) दोपहर।

6. (क) कछुए ने प्रतियोगिता जीती।

(ख) घमंड नहीं करना चाहिए।

(ग) बरगद तक पहुँचना था।

(घ) कछुआ सुस्त चाल चलता था।

(ङ) खरगोश तेज गति से दौड़ा।

(च) खरगोश झपकी लेने लगा।

पाठ 8. कोशिश करने वालों की हार नहीं होती

- **पाठ उद्देश्य**—सदा प्रयास करने से जीतते हैं, इसे समझाना।
- **पाठ सार**—लहरों से डरकर नाव पार नहीं लगती। चींटी दीवार पर

चढ़ते समय गिर जाती है पर अंत में चढ़ जाती है। गोताखोर समुद्र में मोती ढूँढ़ने बार-बार जाता है और अंत में वह मोती पा लेता है। असफलता से सीखकर सफलता पानी चाहिए। संघर्षों से डरना नहीं चाहिए। काम करके ही जय-जयकार होती है।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) बार-बार कोशिश करके
   (ख) बार-बार गोते लगाता है।
   (ग) वे सफल होते हैं।
   (घ) निराश न होकर फिर कोशिश करनी चाहिए।
2. (क) वह दीवार पर चढ़ते समय बार-बार गिरती है, पर चढ़ने की कोशिश करती रहती है।
   (ख) सफलता पाने की कोशिश करते रहना चाहिए।
   (ग) चुनौती के रूप में।
3. (क) दाना (ख) हार
   (ग) असफलता (घ) छोड़
4. (क) चींटी (ख) दीवार पर
   (ग) गोताखोर (घ) कोशिश करने वाले की
   (ङ) गहरे समुद्र में (च) लहरों से।
5. (क) साहस से सफलता मिलती है।
   (ख) मेहनत का फल मीठा होता है।
   (ग) उत्साह से काम करो।
   (घ) असफलता चुनौती होती है।
   (ङ) संघर्ष करे जीतो।

6. (क) लहरों (ख) गोताखोर

(ग) चुनौती (घ) संघर्षो

(ङ) हार।

पाठ 9. लकड़ी का टुकड़ा

- **पाठ उद्देश्य**—समझदारी से कार्य करना चाहिए, इसे समझाना।
- **पाठ सार**—अकबर ने बीरबल से बिना काटे लकड़ी को छोटा करने के लिए कहा। बीरबल ने उसके पास बड़ी लकड़ी रखकर अकबर से पूछा कौन-सी लकड़ी छोटी है? अकबर बीरबल के उत्तर से खुश हो गया।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) लकड़ी के पास बड़ी लकड़ी रखकर

(ख) चतुर, बुद्धिमान

(ग) समझदारी से काम करना चाहिए।

(घ) अकबर और बीरबल

2. (क) अकबर ने, बीरबल से।

(ख) बीरबल ने अकबर से।

(ग) अकबर ने, बीरबल से।

3. (क) बगीचें में ✓ (ख) लकड़ी ✓

(ग) बड़ी लकड़ी ✓ (घ) खुश हुए ✓

4. समस्या - प्रश्न, चतुराई - बुद्धिमत्ता,

इशारा - संकेत, बुद्धि - दिमाग,

रोचक - रुचिपूर्ण।

5. (क) बात (ख) बगीचें

(ग) परीक्षा (घ) बड़ी लकड़ी

(ङ) छोटा

पाठ 10. चंदामामा आ जाओ

- **पाठ उद्देश्य**–चंद्रमा के बारे में जानकारी देना।
- **पाठ सार**–माँ बेटे को लोरी सुना रही थी। बेटा सो गया। बच्चे चंद्रमा को चंदामामा कहते हैं। इस ने चाँद को बड़ा देखकर माँ से पूछा। माँ ने कहा कि आज पूर्णिमा थी। माँ ने इसको चाँद के बारे में जानकारी दी।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) अंडाकार (ख) सूर्य से

(ग) 3,84,403 कि.मी.।

2. (क) अमावस्या के दिन

(ख) क्योंकि वहाँ ऑक्सीजन नहीं है।

(ग) पूर्णिमा के दिन

(घ) नील आर्मस्ट्रांग, बारह।

3. (क) बारह (ख) पूर्णिमा

(ग) प्रकाश (घ) उपग्रह

4. (क) सूरज से ✓

(ख) अमावस्या पर ✓

(ग) इच्छित वरदान पाने के लिए ✓

(घ) चार अरब ✓

पाठ 11. कर भला तो हो भला

- **पाठ उद्देश्य**–उपकार सदा याद रखना चाहिए, इसे समझाना।
- **पाठ सार**–एक चीता पेड़ से नदी में गिर गया। चिड़िया ने उसे बचाने के लिए पानी में पत्ता गिरा दिया। चींटा पत्ते पर बैठकर किनारे पर आ गया। उसने चिड़िया का धन्यवाद किया। एक बार एक शिकारी चिड़िया पर निशाना लगा रहा था। चींटे ने शिकारी को डंक मार दिया उसका निशाना चूक गया। चिड़िया उड़ गई।

1. (क) नदी किनारे (ख) चींटा
   (ग) पत्ता गिराकर (घ) चिड़िया पर।
2. (क) चिड़िया ने नदी में पत्ता गिरा दिया। चींटा उस पर चढ़कर किनारे आकर बच गया।
   (ख) उसने उपकार का बदला चुकाने का वादा किया।
   (ग) किए गए उपकार को भूलना नहीं चाहिए।
3. (क) ✗ (ख) ✗
   (ग) ✓ (घ) ✓
   (ङ) ✓
4. (क) पानी में ✓ (ख) चिड़िया ने ✓
   (ग) विशाल ✓
5. उपकारी, दयालु, शिकारी।
6. गलत – सही, उतरना – चढ़ना
   बड़ा – छोटा, पास – दूर।
7. (क) शिकारी निशाना लगाने लगा
   (ख) चींटा नदी में गिरा

(ग) चींटा पत्ते पर चढ़ा।

(घ) परोपकार करना चाहिए।

(ङ) चिड़िया दयालु थी।

7. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
8. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
9. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
10. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 12. खिलौनेवाला

- **पाठ उद्देश्य**—खिलौनेवाले के माध्यम से बच्चों की कल्पनाओं के बारे में बताना।
- **पाठ सार**—बालक माँ का खिलौनेवाले के बारे में बताता है। वह कहता है कि खिलौनेवाला हरा तोता, गेंद, मोटरगाड़ी, सीटी, रेल, गुड़िया, कानों की बाली, नए खिलौने लाया है। मुन्नी ने गुड़िया ली, सोहन ने मोटरगाड़ी ली। मैं तलवार और तीर कमान लूँगा, राम की तरह ताड़का को मारकर रामचंद्र बन जाऊँगा। तुम्हें कौशल्या बनाऊँगा।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) खिलौनेवाला हरा तोता, गेंद, मोटरगाड़ी, रेल आदि लाया है।

   (ख) भैया नए खिलौने ले लो।

   (ग) गुड़िया

2. (क) रेल

   (ख) ताड़का राक्षसी थी, उसका वध श्रीराम ने किया था।

(ग) पुत्र तलवार और तीर कमान खरीदकर ताड़का को मारना चाहता था।

(घ) उसने कहा कि वह रामचंद्र बनेगा और उसे कौशल्या बनाएगा।

3. सुंदर-सुंदर, नए खिलौने, मोटरगाड़ी है, सर सर सा कई तरह की, खेल।

4. (क) सुंदर-सुंदर (ख) हरा-हरा।

5. (क) तोता, गेंद (ख) मोटरगाड़ी, रेल

(ग) सीटी, गुड़िया।

6. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗

(घ) ✗ (ङ) ✗

पाठ 13. हरिद्वार की सैर

- **पाठ उद्देश्य**–हरिद्वार की जानकारी देना।
- **पाठ सार**–गौरव ने पत्र द्वारा नवांशु को हरिद्वार के बारे में बताया, इसका पुराना नाम मायापुरी है। यह शिवालिक पर्वत पर बसा है। गंगा का जल साफ हैं। उसने चंडीदेवी, मनसा देवी, भारतमाता मंदिर, सप्तर्षि आश्रम देखे। उसने ऋषिकेश भी देखा।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) गौरव ने (ख) धर्मनगरी

(ग) मायापुरी

2. (क) शिवालिक

(ख) गंगा के जल के तेज़ आवाज़ करने के कारण

(ग) चंडीदेवी, मनसा देवी

(घ) बारह वर्ष, उस समय वहाँ लाखों लोग आते हैं।

3. (क) हाँ (ख) ✘

(ग) ✓ (घ) ✓

4. भारतमाता मंदिर, मनसादेवी मंदिर, चंडीदेवी मंदिर।

5. बड़ा बाज़ार, मोती बाज़ार।

6. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 14. नीला सियार

- **पाठ उद्देश्य**–छल कपट नहीं करना चाहिए, इससे अवगत कराना।
- **पाठ सार**–एक दिन सियार को एक शीशी मिली जिसमें नीला रंग था। उसने सारा रंग अपने शरीर पर मल लिया। नींद खुलने पर उसने देखा कि सभी जानवर उसे हैरानी से देख रहे थे। उसने घोषणा की कि वह जंगल का राजा है। एक दिन तेज़ बारिश में सियार का रंग उतर गया। सबने उसे खूब पीटा।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) हँसी-खुशी से (ख) शीशी में नीला रंग मिला।

(ग) उसने उसे अपने शरीर पर लगाया।

2. (क) वह जंगल का राजा था।

(ख) सब जानवर उदास रहने लगे।

(ग) सियार का नीला रंग उतर गया था।

3. (क) (ख) उत्तर दिए गए हैं।

(ग) इधर और उधर (घ) फल और फूल

(ङ) हिलाया और डुलाया

4. (क) दिया गया है। (ख) तुरंग, बजि
   (ग) वानर, मर्कट (घ) तरु, वृक्ष
   (ङ) सुमन, पुष्प।
5. नीला, मूसलाधार, सारा।

पाठ 15. चिड़ियाघर की सैर

- **पाठ उद्देश्य**–चिड़ियाघर और पशु-पक्षियों की जानकारी देना।
- **पाठ सार**–गीता और नवल को मामाजी दिल्ली का चिड़ियाघर दिखाने ले गए। मामाजी ने चिड़ियाघर के बारे में बताया। उन्होंने शेर, चीता, तेंदुआ, बाघ, भालू आदि होते हैं। उनके खाने-पीने की व्यवस्था और स्वास्थ्य की देखभाल की जाती है।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) चिड़ियाघर वह जगह है जहाँ जानवरों को सुरक्षित रखा जाता है।
   (ख) बाड़ों में।
   (ग) शेर, चीता, भालू।
2. (क) जानवरों के स्वास्थ्य की देखभाल।
   (ख) लोहे की जालियाँ ताकि जानवर लोगों को नुकसान न पहुँचा सके।
   (ग) यह सरकार का नियम है।
   (घ) जानवरों को दूर से देखना चाहिए। उन्हें छूना नहीं चाहिए।
3. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗
   (घ) ✓

4. जानवर - नेवला, तेंदुआ, चीता, हाथी, खरगोश।
   पक्षी - सारस, बाज़, गिद्ध, मैना, बुलबुल।
5. (क) दिया गया (ख) अज्ञात
   (ग) आकाश (घ) अपराजित
   (घ) अचल।
6. खतरनाक - भयानक, अनेक - कई,
   कुछ - थोड़ा, पशु - जानवर, भोजन - खाना।
7. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
8. केवल समझने के लिए।

पाठ 16. आओ प्यारे तारों आओ

- **पाठ उद्देश्य**—तारों का प्रभाव।
- **पाठ सार**—तारों आओं मैं तुम्हें झुलाऊँगी। तुम जुगनू की तरह उड़कर आओं, मेरे आँगन को चमकाओ।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) तारों को (ख) झूले में
   (ग) फूलों पर।
2. (क) जुगनू की तरह। (ख) महादेवी वर्मा
   (ग) अकाश में। (घ) जुगनू की तरह
   (ङ) रात को
3. तारों आओ, झुलाऊँगी, सुलाऊँगी, उड़कर, मेरे आँगन।
4. (क) तारे चमकते हैं।
   (ख) जुगनू रात को चमकता है।

(ग) तारों को झूला झुलाऊँगी

(घ) मुझे नींद आ गई।

(घ) रात हो गई।

5. आकाश - आसमान, धरती - भूमि,
   सूरज - सूर्य, तारे - सितारे

5. तारे, पत्तियाँ, गमले, रातें किताबें, रास्ते।

6. चाँद, तारे, सूरज।

पाठ 17. बताओं मैं कौन हूँ

◆ **पाठ उद्देश्य**–पहेलियों के बारे में जानना।

◆ **अभ्यास**–पाठ मे पूछी गई पहेलियों के उत्तर हैं - (1) ऐनक, (2) बैल्ट, (3) रात, (4) आसमान और तारे, (5) तोता (6) सूरज

पाठ 18. केवल पढ़ने के लिए

पाठ 19. शवासन

◆ **पाठ उद्देश्य**–'शवासन' से परिचित कराना।

◆ **अभ्यास**–शवासन पीठ के बल लेटकर किया जाता है।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. हथेली, घुटना, कान, उँगलियाँ, पेट, आँख।
2. शवासन, मयूरासन